बुधवार
26 फरवरी 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 33
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हर-हर महादेव

●शिवालयों में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब
●सीएम धामी ने सपत्नी की शिव आराधना

विशेष संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में आज चंहु ओर हर हर महादेव की अनुगूंज से वातावरण शिव मय हो गया है। महाशिवरात्रि पर अपने आराध्य महादेव की पूजा अर्चना के लिए सभी शिवालयों में श्रद्धा का समुंदर उमड़ता दिखा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी आज खटीमा के प्रसिद्ध वनखंडी महादेव मंदिर में सपत्नी शिव आराधना में लीन दिखाई दिए।

सूबे की राजधानी देहरादून के टपकेश्वर मंदिर, पृथ्वीनाथ मंदिर, पंचायती मंदिर तथा मसूरी रोड स्थित शिव मंदिर और तपोवन स्थित महेश्वर मंदिर में आज श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती दिखी। गंगाजल लेकर लौटने वाले कांवड़ियों की बीते कल शाम से ही तमाम शिव मंदिरों के बाहर लंबी-लंबी कतारे लगनी शुरू हो गई थी। मध्य रात्रि से शुरू हुए जलाभिषेक के लिए देर शाम तक लोगों का तांता लगा रहा। हाथों में पूजा की सामग्री और फल-फूल लिए भक्त अपनी बारी के इंतजार में घंटों लाइनों में खड़े रहे। तथा पूजा अर्चना का अवसर पाकर स्वयं को धन्य महसूस करने लगे।

हरिद्वार के दक्षेश्वर महादेव मंदिर में इस अवसर पर अपार श्रद्धा का सैलाब उमड़ता दिखा। यहां कई कलोमीटर लंबी लाइन दिखाई दी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आज के ही दिन भगवान शिव ने माता पार्वती के साथ विवाह किया था। कहा जाता है कि मां पार्वती का मायका दक्षेश्वर में ही था इसलिए दक्षेश्वर महादेव के इस शिव मंदिर का विशेष महत्व है। यहां महादेव का जलाभिषेक कर भक्त जो भी कामना करते हैं वह अवश्य ही पूरी होती है।

आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी खटीमा के प्राचीन और प्रसिद्ध शिव मंदिर वनखंडी में अपनी पत्नी के साथ शिव आराधना की।

उधर अल्मोड़ा से प्राप्त समाचार के अनुसार यहां जागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर विशेष पूजा अर्चना की गई। चमोली से प्राप्त समाचार के अनुसार यहां गोपीनाथ मंदिर में आज भक्तों की भारी भीड़ रही। आज पूरे प्रदेश में धूमधाम से महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या गुल खिलाएगा प्रेम प्रकरण?

उत्तराखंड की राजनीति में प्रेम प्रकरण को विराम देने के प्रयास अब भले ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा किए जाने लगे हों लेकिन यह विवाद सहज थमने वाला नहीं है। इसका लाभ लेने के लिए कांग्रेस के प्रयास जारी रहेंगे और भाजपा भी इसे रफा दफा करने की कोशिशें बंद नहीं कर सकती हैं। भाजपा विधायक विनोद चमोली राय दे रहे हैं कि अब इस मुद्दे को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए और हमें आगे बढ़ना चाहिए हम इसी में उलझे रहेंगे तो इससे विकास प्रभावित होगा। वहीं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल कह रहे हैं कि भाजपा इस मुद्दे को पहाड़ी-मैदानी का मुद्दा बनाने में जुटी है जबकि यह मुद्दा संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद की अभद्रता का मुद्दा है। उन्होंने उत्तराखंड के लोगों को अपमानजनक शब्द कहे हम उनके उस वक्तव्य का विरोध कर रहे हैं मैदान के लोगों का विरोध नहीं कर रहे हैं। वह कहते हैं कि हम स्पीकर ऋतु खंडूरी के उस रवैये का विरोध कर रहे हैं जो सदन में इस मुद्दे पर विरोध करने वालों के साथ उन्होंने किया। उन्हें प्रेमचंद के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए थी लेकिन वह उनका बचाव करती दिखी हम उनके इस रवैये का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महेंद्र भट्ट जिन्हे पहाड़ के लोगों को अपशब्द कहने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी और धमकाना चाहिए था वह उन मीडिया कर्मियों को धमका रहे हैं और कांग्रेसियों को धमका रहे हैं हम उनकी धमकी का विरोध कर रहे हैं। हमारा विरोध पहाड़ी और मैदानी लोगों के मुद्दे पर नहीं है। उन्होंने कहा कि आपदा में अवसर तलाशने वाले भाजपा के नेता अब इसमें भी पहाड़ी-मैदानी को लाकर अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मैदानी लोगों से कोई विरोध नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि हमें बीजेपी को इन प्रयासों में सफल नहीं होने देना है। उधर कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह ने तल्ख तेवर दिखाते हुए कहा है कि प्रेमचंद संसदीय कार्य मंत्री पद के योग्य ही नहीं है वह इंदिरा हृदयेश का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि आज हमें उनकी याद आती है। साथ ही वह कार्य मंत्रणा समिति से इस्तीफा देने व भविष्य में प्रेमचंद के संसदीय कार्य मंत्री रहते हुए बैठकों में न जाने की बात कहते हैं। मीडिया में इस सवाल की चर्चा आम है कि भाजपा क्या संसदीय कार्य मंत्री के खिलाफ कोई कार्यवाही करने जा रही है भाजपा नेताओं को अब इस बात का एहसास जरूर हो चुका है कि वह मामला सहज शांत होने वाला नहीं है। यह प्रेम प्रकरण क्या गुल खिलाएगा यह भले ही अभी भविष्य के गर्भ में छिपा सही लेकिन इसकी प्रेमचंद और भाजपा को कुछ न कुछ तो कीमत चुकानी ही पड़ेगी। जहां तक भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस पर प्रदेश का माहौल खराब करने का आरोप लगाये जाने की बात है इसका भी कांग्रेस नेताओं ने जो जवाब दिया जा रहा है कि भाजपा पहले ही प्रदेश में लव जेहाद और लैंड जेहाद जैसे शब्दों को प्रयोग में लाकर माहौल खराब कर चुकी है। इस मुद्दे को लेकर कुछ नेताओं में हीरो बनने की होड़ भी लगी हुई है। जो विरोध कर रहे हैं या जितना मुखर विरोध कर रहे हैं उन्हें सोशल मीडिया उतने ही बड़े हीरो के रूप में पेश कर रहा है। कुछ भी सही इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस के तमाम नेताओं को हाई लाइट होने और बोलने का अवसर जरूर दिया। बोलना अच्छा आता हो यह किसी नेता के लिए सबसे ज्यादा जरूरी गुणों में से एक है। अब हर मुद्दे पर हर कोई बोल नहीं सकता लेकिन इस मुद्दे ने उन्हें भरपूर बोलने का अवसर प्रदान कर दिया है। इसका उन्हें कितना लाभ मिल सकेगा आने वाला समय ही बताएगा।

फर्जी हस्ताक्षर कर सिंचाई विभाग के पांच अधिकारियों के किए स्थानान्तरण

संवाददाता

देहरादून। फर्जी हस्ताक्षर कर सिंचाई विभाग के पांच अधिकारियों के स्थानान्तरण करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमुख अभियन्ता सिंचाई विभाग सुभाष चन्द्र ने नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि शासन के आदेश 31 जनवरी 2025 द्वारा जयदीप सिह, अपर सहायक अभियन्ता का स्थानान्तरण पीएमजीएसवाई, सिचाई खण्ड, चम्बा से अवस्थापना खण्ड उत्तरकाशी किया गया है। दूसरा शासन के आदेश 31 जनवरी 2025 द्वारा सुमित कुमार अपर सहायक अभियन्ता का स्थानान्तरण पीएमजीएसवाई सिंचाई खण्ड, कोटद्वार से पीएमजीएसवाई सिचाई खण्ड ,श्रीनगर प्रथम किया गया है। तीसरा शासन के आदेश 31 जनवरी 2025 द्वारा चिरंजी लाल, अपर सहायक अभियन्ता का स्थानान्तरण जमरानी बांध ,निर्माण खण्ड -2 ,हल्द्वानी से सिंचाई खण्ड ,हल्द्वानी ,उपखण्ड -1 किया गया है। चौथा शासन के आदेश 19 नवम्बर 2024 द्वारा महेन्द्र पाल सिह, सहायक अभियन्ता का स्थानान्तरण पीएमजीएसवाई सिंचाई खण्ड ज्योलीकोट, नैनीताल से उपखण्ड प्रथम सिंचाई खण्ड नैनीताल किया गया है। पांचवा शासन के पत्राक के द्वारा सिचाई अनुभाग -1 मे सम्बद्व अमित सेमवाल, कनिष्ठ सहायक को 19 फरवरी 2025 के पूर्वान्ह से कार्यमुक्त करते हुए ,विभाग को वापस प्रत्यावर्तित किया गया है के सम्बन्धित अग्रेत्तर कार्यवाही में इनको इनके मूल कार्यालय सिंचाई कार्यमण्डल ,श्रीनगर में भेज दिया गया है। उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि उपर्युक्त संबंधित डाक रनर दीपक शर्मा ,जिसके द्वारा प्रमुख अभियन्ता कार्यालय एवं शासन के सिंचाई अनुभाग- 1/2 के मध्य डाक अंतरण किया जाता रहा है के द्वारा दूरभाष पर अवगत कराया गया है कि उसके द्वारा 06 फरवरी 2025 को समस्त डाक एकमुश्त रुप में शासन के सिंचाई अनुभागों से प्राप्त कर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (कार्मिक अनुभाग-01) प्रमुख अभियन्ता कार्यालय ,सिचाई विभाग देहरादून को उपलब्ध करायी गई, के क्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (कार्मिक अनुभाग-01) द्वारा यथा 06 फरवरी 2025 ही प्राप्त डाक/पत्राचार को अपने हस्ताक्षर द्वारा मार्क करके संबधित प्रमुख अभियन्ता कार्यालय, सिंचाई विभाग ,देहरादून के अनुभागों को अग्रसारित किया गया है। वस्तुत: प्रकरण में किसी भी कार्मिक के नाम का स्पष्ट उल्लेख नही किया गया है ,तद्प्रभाव में इस कार्यालय स्तर से किसी को संदेहास्पद स्थिति अन्तर्गत, व्यक्तिगत रुप मे चिन्हित /निर्धारित करने मे कठिनाई परिलक्षित हो रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाला बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस कर्मियों पर हमला कर उन्हे घायल कर भागने वाले बदमाश को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश के पैर में गोली लगी है। जिसका अस्पताल में उपचार जारी है। मामले में पूर्व में ही एक बदमाश को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

जानकारी के अनुसार पिछले साल अक्टूबर माह में रानीपुर कोतवाली पुलिस की एक टीम पर बदमाशों ने हमला कर दिया था। इस दौरान एक कांस्टेबल और होमगार्ड का जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बदमाश वहां से भागने में कामयाब हुए थे।

इस मामले में एक बदमाश पहले ही गिरफ्तार हो चुका है जबकि दूसरा बदमाश साबिर निवासी ज्वालापुर लंबे समय से फरार चल रहा था पुलिस को बीती रात सूचना मिली कि आरोपी रानीपुर क्षेत्र में देखा गया है। उस पर 50 हजार का इनाम भी है इसके बाद पुलिस की टीम ने बदमाश की घेराबंदी की तो उसने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी मौके पर पहुंचकर बदमाश के संबंध में जानकारी ली है।

सीएम ने ली सारकोट की माहेश्वरी देवी के उपचार की जानकारी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट निवासी महेश्वरी देवी का उपचार मुख्यमंत्री के निर्देशों पर एम्स ऋषिकेश से करवाया जा रहा है। जिसके बारे में मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य के बारे में जिलाधिकारी से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर चमोली के सारकोट गांव निवासी महेश्वरी देवी का उपचार किया जा रहा है। जिसे लेकर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी संदीप तिवारी से उनके उपचार के साथ ही अन्य सुविधाओं के विषय में विस्तृत जानकारी ली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट निवासी महेश्वरी देवी का उपचार मुख्यमंत्री के निर्देशों पर एम्स ऋषिकेश से करवाया जा रहा है। साथ ही उनकी नियमित जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में जाकर जांच कर रही है। चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य में सुधार बताया है। कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन्हें दवाइयों के साथ ही पोषाहार भी समय-समय पर आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि सारकोट गांव में विकास कार्यों को गति देने के लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। जिसके तहत गांव में उद्यान, कृषि, पशुपालन सहित सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य किए जा रहे है। कहा कि मुख्यमंत्री शीघ्र ही सारकोट में किए जा रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। सरकोट निवासी माहेश्वरी देवी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर मिल रहे उपचार के लिए मुख्यमंत्री के साथ ही जिला प्रशासन के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

मारपीट करने पर पूर्व पति के खिलाफ कराया मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पूर्व पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिददरवाला निवासी मधु चौहान ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह वर्ष 2007 मे संजीव चौहान निवासी कागंडी श्यामपुर हरिद्वार के साथ हुआ। उसके दो बच्चे है पुत्री वंशिका पुत्र वंश शादी के कुछ दिनो के बाद ही उसका पति संजीव चौहान उसके साथ आए दिन गाली गलौच मार पिटाई , एंव लाछन लगाना आदि ककृत्य करता रहा। इसके बाद उनका ऋषिकेश फेमिली कोर्ट मे विवाह विच्छेदन का केस चला दिशम्बर 2024 मे उनका परिवार न्यायालय ऋषिकेश मे विवाह विच्छेद हो गया तब से वह अपने दोनो बच्चो सहित अपने घर छिद्रदवाल मे अलग रह रही है। विवाह विच्छेदन के पश्चात भी संजीव द्वारा उसके घर छिद्दवाला मे आकर घर पर तोडफोड गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गीतों की शब्द शक्ति से राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान जागरण की यात्रा

रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में करोड़ो प्राणों के बलिदान हुये । ये बलिदान साधारण नहीं थे । पर इन बलिदानों केलिये आव्हान करने वाले शब्द साधकों की भी एक धारा रही है जिन्होंने अपने शब्दों की शैली और गीतों के माध्यम से राष्ट्र जागरण का अभियान छेड़ा। यह अभियान स्वतंत्रता के पहले भी चला और स्वतंत्रता के बाद भी । अपनी रचनाओं से राष्ट्र जागरण करने वाले ऐसे ही कालजयी रचनाकार हैं कवि प्रदीप। जिन्होंने जीवन भर अपने ओजस्वी गीतों से पूरे राष्ट्र चेतना की अलख जगाई। स्वतन्त्रता के पूर्व यदि उनके गीतों में संघर्ष केलिये आव्हान था तो स्वाधीनता के बाद राष्ट्र निर्माण की उत्प्रेरणा । स्वाधीनता के पूर्व --दूर हटो ये दुनियाँ वालो ये हिन्दुस्तान हमारा है । और स्वतंत्रता के बाद- ऐ मेरे वतन के लोगो जरा आँख में भर लो पानी जैसे अमर गीत के रचयिता कवि प्रदीप ही हैं । वे दुनियाँ के उन विरले गीतकारों में से हैं जिनका हर गीत लोकप्रिय हुआ । उन्होंने दो हजार से अधिक गीत लिखे इसमें लगभग 1700 गीत फिल्मों में आये । और राष्ट्र भक्ति के ही सौ से अधिक गीत हर देशवासी की जुबान पर चढ़ गये ।

ऐसे अमर गीतों के गीतकार कवि प्रदीप का जन्म 6 फरवरी 1915 को मध्यप्रदेश में उज्जैन जिले के अंतर्गत बडनगर में हुआ। उनके पिता रामचंद्र द्विवेदी आर्य समाज से जुड़े थे । घर में राष्ट्रसेवा सांस्कृतिक गरिमा का वातावरण था । इसलिये प्रदीपजी मन और विचार बचपन से राष्ट्र और संस्कृति चेतना से भरे थे । उनकी प्रारंम्भिक शिक्षा बडनगर में ही और उच्चशिक्षा लखनऊ में हुई।

कविताएं लिखने का शौक उन्हे बचपन से था । वे एक दृश्य देखकर अथवा कोई प्रसंग सुनकर बहुत प्रभावी गीत या कविता रच देते थे। उनकी इसी विधा ने पढ़ाई के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में लोकप्रिय हो गये । पढ़ाई के दौरान ही उनकी भेंट उस समय के एक प्रखर और प्रभाव शाली कवि गिरिजा शंकर दीक्षित से हुई । दीक्षित जी अपने समय में कवि सम्मेलनों के लोकप्रिय कवि और उनके शिक्षक भी थे । उनके मार्गदर्शन गीत जीवन की यात्रा आरंभ हुई ।

प्रदीपजी ने 1939 में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की और शिक्षक बनने की तैयारी भी । पर गीत रचना निरन्तर रही । उनके शिक्षक दीक्षित जी के पिता बलभद्र प्रसाद जी भी अपने समय के लोकप्रिय गीतकार थे । और उनके कुछ गीत फिल्मों में आये । वे प्रदीप जी के गीतों से बहुत प्रभावित थे । उन्ही दिनों प्रदीपजी ने चल चल रे नौजवान एक गीत लिखा। दीक्षित जी ने यह गीत मुम्बई भेज दिया । यह गीत एक फिल्म नौजवान में आ गया । फिल्म लोकप्रिय हुई और गीत भी । यह फिल्म 1940 में रिलीज हुई थी । इस गीत के साथ प्रदीप जी रातोंरात पूरे देश में लोकप्रिय हो गये । 1942 में उनका दूसरा गीत मानों भारत छोड़ो आंदोलन का एक मंत्र बन गया । यह गीत था आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है । यह गीत समाज को आव्हान करने वाला था आँदोलन के दौरान उस समय हर गली चौराहे पर गाया गया । 1944 में उनके एक और गीत दूर हटो ऐ दुनिया वालो, यह हिन्दुस्तान हमारा है ने फिर पूरे देश में तहलका मचा दिया । अंग्रेजी सरकार ने उनके गीतों को भडक़ाने वाला माना और गिरफ्तारी वारंट जारी हो गया । कवि प्रदीप गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत हो गये । बाद में फिल्म निर्माताओं ने मध्यस्थता की और प्रशासन को फिल्म स्क्रिप्ट केलिये इन गीतों की आवश्यकता बताई तब जाकर वारंट निरस्त हुआ ।

प्रदीप जी ने स्वतंत्रता के बाद जागृति जैसी फिल्मों के लिये नये अंदाज से गीत लिखे । हम लाए हैं तूफान से किश्त निकल के आज भी लोकप्रिय है । उन्होंने 1954 में बच्चों को समझाया कि आओ बच्चों तुम्हें दिखाये झाँकी हिन्दुस्तान की । इस गीत में भारत के गौरवमयी अतीत की मानों एक झाँकी थी । स्वतंत्रता की इस यात्रा के बीच ही 1962 में भारत चीन युद्ध आ गया । उस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने कितनी विषम परिस्थिति में भारत राष्ट्र की रक्षा की । वे कहानियाँ दिल को दहलाने वाली है । सैनिकों के बलिदान पर उनका गीत ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आँख में भर लो पानी की रचना की । जिस भाव से प्रदीप ने इस गीत की रचना की उसी भावना से लता जी ने गाया । इस गीत के बोल आज भी हृदय को छू जाते हैं। यह गीत देश भक्ति के गीतों में अग्रणी माना गया । भारत सरकार ने उन्हे राष्ट्र कवि के सम्मान से सम्मानित किया ।

26 जनवरी 1963 को आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में लता जी ने प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में यह गीत गाया । नई दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय गणतंत्र समारोह में ऐसा कोई नहीं था जिसकी आँख में आँसू न आये हों। प्रदीप ने इस गीत की रॉयल्टी को सैनिकों की विधवा सहायता कोष यनि वॉर विडो फंड में जमा करने की घोषणा की । पर गीत के अधिकार रखने वाली कंपनी एच एम वी ने समय पर पैसा जमा नहीं किया । और मामला कोर्ट में गया । एक लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 25 अगस्त 2005 को बॉम्बे हाई कोर्ट ने एचएमवी कंपनी को रॉयल्टी के बकाया के रूप में 1 मिलियन रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। देश भक्ति मानों प्रदीप जी के रक्त में थी ।

1987 में प्रदीप जी ने कहा था- कोई भी आपको देशभक्त नहीं बना सकता। यह आपके खून में होती है। आप इसे देश की सेवा के लिए कैसे लाते हैं जो आपको अलग बनाता है। सतत शब्द साधना और अपने गीतों से राष्ट्र साधना में रत प्रदीप जी ने अंततः 11 दिसम्बर 1998 को 83 वर्ष की आयु में इस संसार से विदा ली । शत शत नमन ।

ऑफिस में इन खराब आदतों की वजह से बढ़ सकता है आपका वजन

वजन घटाना सचमुच एक बड़ी समस्या बना हुआ है। वजन के लगातार बढऩे के पीछे आज सबसे बड़ा कारण है लंबे समय तक बैठे-बैठे काम करना। कई घंटों तक लगातार एक ही जगह पर बैठकर काम करने वालों का न सिर्फ वजन बढ़ता है, बल्कि इससे सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में अगर आपका भी काम लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठे रहने का है तो हम आपको कुछ आसान टिप्स बताने जा रहे है जिनकी मदद से आप अपना वजन घटा सकते हैं। जी हां, ऑफिस में कुछ हेल्दी टिप्स फॉलो करके शरीर के बढ़ते वजन को कंट्रोल किया जा सकता हैं। इन टिप्स की मदद से न सिर्फ वजन कंट्रोल में रहेगा साथ थी लंबे समय तक बैठे रहने से होने वाली शारीरिक परेशानियों से भी छुटकारा मिलेगा। इसके लिए बस आपको अपनी कुछ गलत आदतों को छोडऩा होगा।

डेस्क से चिपके रहना

कई लोग डेस्क पर लगातार बैठकर काम करने में लगे रहते हैं। अगर आपकी भी यह आदत है तो सबसे पहले इसको बदल दें। इस तरह की आदतों की वजह से शरीर का वजन तेजी से बढ़ सकता है। दरअसल, आप अपने ऑफिस का टास्क पूरा करने के लिए अपने शरीर की एक्टिविटी पर ध्यान नहीं देते हैं, जिसकी वजह से आपके शरीर की कैलोरी बर्न नहीं होती है। इस स्थिति में शरीर का वजन बढ़ सकता है।

काम का स्ट्रेस

काम का स्ट्रेस लंबे समय तक लेने की वजह से शरीर का वजन बढ़ सकता है। इसलिए ऑफिस के काम को कभी भी स्ट्रेस के रूप में न लें। बल्कि काम को आराम-आराम से दिल लगाकर पूरा करने की कोशिश करें। इससे आपके शरीर का वजन कंट्रोल रहेगा। वहीं, बढ़ते वजन की परेशानी से छुटकारा मिल सकता है साथ ही मानसिक चिंता से भी छुटकारा मिलेगा।

लंच सही समय पर न करना

ऑफिस में काम के लोड के चलते कई बार हम लंच को स्किप कर देते हैं या फिर देरी से लंच करते हैं। ऐसा करना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। आपकी यह आदत आपका वजन बाधा सकती है। इसलिए कोशिश करें कि लंच हमेशा समय पर करें। कभी भी लंच को स्किप न करें। इसे आपके शरीर का वजन संतुलित रहेगा।

जल्दी-जल्दी खाना

काम के चक्कर में कई बार हम जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं तो आपको बता दे ऐसा बिलकुल ही न करें। ऐसा करने से आपकी पाचन क्रिया प्रभावित हो सकती है और आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं।

अन हेल्दी खाना

काम में व्यस्त होने के कारण कई बार लोग कुकीज जैसी कई अन हेल्दी चीजों का सेवन दिनभर करते रहते है। जिसके कारण आपके शरीर में कैलोरी बढऩे लगती है और मोटापा बढ़ सकता है। लेट नाईट तक शिफ्ट करने के कारण कई लोग रात में देर से सोते है और ऐसे लोग भूख लगने पर जरूरत से ज्यादा कैलरी लेते है। जिस वजह से मोटापे की समस्या हो सकती है। लेट नाइट शिफ्ट में लोग अक्सर समय से खाना नहीं खा पाते। उनके खाने का समय रोजाना बदलता रहता है। (आरएनएस)

साड़ी में पतली दिखने के 5 आसान टिप्स, जो आप नहीं जानती होंगी

साड़ी एक ऐसी पारंपरिक पोशाक है, जो हर उम्र की महिलाओं पर बहुत सुंदर लगती है। साड़ी पहनते समय कई महिलाएं अपने शरीर को स्लिम दिखाने के लिए चिंतित रहती हैं। सही कपड़े और स्टाइलिंग से आप आसानी से स्लिम दिख सकती हैं।

इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप साड़ी में न केवल पतली बल्कि आकर्षक भी नजर आ सकती हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

साड़ी का कपड़ा होना चाहिए हल्का

साड़ी का कपड़ा आपके लुक को बहुत प्रभावित करता है।

अगर आप स्लिम दिखना चाहती हैं तो हल्के और मुलायम कपड़े जैसे जॉर्जेट या शिफॉन की साडियां चुनें। ये कपड़े शरीर पर अच्छी तरह से बैठते हैं और आपकी बॉडी को एक सुंदर आकार देते हैं।

भारी सिल्क या कॉटन की जगह इन हल्के कपड़ों का चयन करें क्योंकि ये आपके शरीर को भारी दिखा सकते हैं।

प्रिंट्स पर ध्यान दें

प्रिंटेड साडियों का चुनाव करते समय छोटे प्रिंट्स वाली साडियां लें क्योंकि बड़े प्रिंट्स आपको मोटा दिखा सकते हैं।

वर्टिकल स्ट्राइप्स वाली साडियां भी अच्छा विकल्प होती हैं क्योंकि वे लंबाई बढ़ाकर आपको पतला दिखाती हैं।

फ्लोरल या ज्योमेट्रिक पैटर्न वाली छोटी प्रिंट्स वाली साडियां ट्राई कर सकती हैं।

इस तरह से आप बिना किसी अतिरिक्त मेहनत के अपनी पसंदीदा साड़ी पहनकर भी स्लिम और आकर्षक नजर आ सकती हैं।

सही ब्लाउज का चयन करें

ब्लाउज का सही चयन भी आपको स्लिम लुक देने में मदद कर सकता है।

फिटेड ब्लाउज पहनें, जो आपकी कमर को उभार दे और छाती के आकार को संतुलित रखे।

गहरे रंगों के ब्लाउज चुनें क्योंकि ये आपके ऊपरी हिस्से को पतला दिखाते हैं। अगर आपका पेट थोड़ा बाहर निकलता है तो हाई नेक या फुल स्लीव्स वाले ब्लाउज आजमाएं, जो आपके लुक को आकर्षक और संतुलित बनाते हैं। इ

ऐसे ब्लाउज से आप आत्मविश्वास से भरी नजर आएंगी।

पल्लू ड्रेपिंग स्टाइल बदलें

पल्लू ड्रेपिंग स्टाइल आपके लुक को खास बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

पल्लू को ढीला छोडऩे के बजाय इसे कंधे पर कसकर पिन करें ताकि यह आपकी शरीर की रेखाओं को उभार सके।

इससे न केवल आपका पेट छुप जाएगा बल्कि कमर भी पतली लगेगी। साथ ही पल्लू की चौड़ाई कम रखें ताकि यह ज्यादा जगह न घेरे और आपके लुक को संतुलित बनाए रखे।

इस तरह की ड्रेपिंग से आप स्लिम और आकर्षक नजर आएंगी।

बेल्ट का उपयोग करें

बेल्ट एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो आपकी कमर को उभारने और आपके लुक को खास बनाने में मदद करती है।

बेल्ट लगाने से कमर पतली दिखती है और यह आपके पूरे लुक में नया अंदाज जोड़ती है।

बेल्ट का रंग साड़ी से मेल खाता हो तो यह ज्यादा ध्यान आकर्षित नहीं करता, जिससे आपका लुक संतुलित रहता है।

सही तरीके से बेल्ट का उपयोग आपके साड़ी पहनने के अनुभव को और भी खास बना सकता है। (आरएनएस)

सही दिशा में लगाएं उपकरण

घरों में बिजली के उपकरणों को हम अपनी सुविधा के अनुसार स्थापित कर लेते हैं। अगर इन्हें वास्तु के अनुकूल दिशा में रखा जाए तो जीवन में सहूलियत रहती है और स्वास्थ्य भी प्रभावित नहीं होता। चाहे बिजली का मीटर हो या फ्रिज, वॉशिंग मशीन, कंप्यूटर, टीवी या फिर बिजली के अन्य उपकरण, अमूमन लोग इन्हें अपनी सहूलियत के अनुसार घर में स्थान देते हैं लेकिन वास्तु कहता है कि इन्हें अगर अनुकूल दिशा में स्थान दिया जाए तो जीवन में अधिक सहूलियत रहती है। कहने का आशय यह है कि बिजली के उपकरणों का सही दिशा में नहीं होना, सीधे-सीधे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

जिस प्रकार ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा का संबंध आर्थिक समृद्धि से माना जाता है, उसी प्रकार आग्नेय कोण अर्थात दक्षिण-पूर्व दिशा का संबंध बहुत हद तक स्वास्थ्य से होता है। अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली यह दिशा बिजली उपकरणों को रखने के लिए सर्वोचित समझी जाती है। घर में प्रवेश द्वार बनाने के लिए या बोरवैल एवं शयन-कक्ष बनाने के लिए जिस तरह हम वास्तु नियमावली का अनुसरण करते हैं, उसी प्रकार बिजली उपकरणों को स्थापित करने के लिए भी वास्तु सिद्धांतों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। वास्तु की दृष्टि से महत्व की बात आती है, तो उत्तर-पूर्व के बाद बारी दक्षिण-पूर्व की है। इस कोण को वास्तुदोष से मुक्त रखना अत्यंत आवश्यक होता है। यह दिशा अग्नि तत्व का स्थान है। इसलिए बिजली के सभी उपकरण और मीटर, बिजली का नियंत्रण और वितरण यहीं से होना चाहिए। ऐसा करके अग्नि तत्व को संतुलन में रखा जा सकता है। विदित हो कि अग्नि तत्व का असंतुलित होना कई किस्म के रोगों को आमंत्रित करता है। अगर इन दोषों का निवारण न किया जाए तो कई बार साधारण बीमारियां भी गंभीर रूप ले लेती हैं और परिवार के सदस्यों को असहनीय पीड़ा सहन करनी पड़ती है। बिजली के उपकरण जैसे इनवर्टर, ट्रांसफार्मर, फ्रिज आदि ऊष्मा यानी हीट उत्पन्न करते हैं, इसलिए वास्तुशास्त्र में इनके लिए आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व को ठीक स्थान बताया गया है। रसोईघर के लिए भी यह दिशा उपयुक्त मानी जाती है। आइए, जानते हैं आग्नेय कोण से जुड़े सामान्य वास्तु दोष और उनके निवारण के उपाय-

अगर कोई व्यक्ति इस दिशा के गलत प्रयोग के कारण वास्तु दोषों से ग्रस्त किसी मकान में रह रहा है तो नीचे दिए गए सुझावों को अपनाकर उन दोषों के नकारात्मक प्रभावों से मुक्ति पाई जा सकती है। अग्नि तत्व के असंतुलन से परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें, वैवाहिक और आर्थिक परेशानियां हो सकती हैं। इन खतरों को कम करने के लिए अग्नि तत्व को शांत करना आवश्यक होता है। इसके लिए दक्षिण-पूर्व कोण में सरसों के तेल का दिया जलाना चाहिए। सूर्योदय के समय दक्षिण-पूर्व कोण में पूर्व की ओर मुंह करके गायत्री मंत्र का जाप करने से भी लाभ होता है। मकान के सभी कमरों में इस दिशा को नियंत्रित रखकर मकान के दक्षिण-पूर्व कोण में मौजूद किसी भी वास्तु दोष का निवारण किया जा सकता है। वॉशिंग मशीन, फ्रिज आदि को दक्षिण-पूर्व कोण में रखने से भी वास्तु दोष दूर हो सकते हैं।

पुराने दुपट्टे को न समझें बेकार, इन तरीकों से करें दोबारा इस्तेमाल

अकसर जब कोई दुपट्टा पुराना हो जाता है या कहीं से कट-फट जाता है तो उसे पहनने का मन ही नहीं करता। हालांकि, अगर आपके पास इस तरह के दुपट्टे का एक अच्छा खासा कलेक्शन है तो आप उन्हें फेंकने की बजाय कई यूनिक तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं। चलिए फिर आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताते हैं, जिनकी मदद से आप अपने पुराने दुपट्टे का बेहतरीन तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आपके पास एक खूबसूरत सा पुराना दुपट्टा है तो आप उससे टॉप बना सकते हैं। इसके लिए पहले दुपट्टे को आधा मोड़कर इसे डबल लेयर की तरफ से वी शेप में काटें और टॉप का गाला बनाएं। ये सेक्शन 4-5 इंच से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए। कटिंग करने से पहले गले की जगह से किनारे को सिल लें ताकि इसको साफ फिनिश मिल सके। अब दुपट्टे के बॉर्डर को काटकर अपने हिसाब से स्लीव्स का डिजाइन बना लें।

अगर डाइनिंग टेबल पर टेबल रनर रखे जाएं तो उससे घर की सजावट में चार-चांद लग जाते हैं। वैसे तो मार्केट में आपको कई तरह के टेबल रनर आसानी से मिल जाएंगे लेकिन इसके लिए आप चाहें तो पुराने दुपट्टे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, इसकी मोटाई भी टेबल रनर जितनी ही होती है इसलिए आप इन्हें बतौर टेबल रनर आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बस टेबल पर दुपट्टा बिछाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या का हब बनता जा रहा है कोटा

आनंद अग्निहोत्री

राजस्थान का कोटा शहर जिसे प्री-इंजीनियरिंग एग्जाम और मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट के मामले में देशभर में डंका बजाने वाला माना जाता थाा अब कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या का हब बनता जा रहा है। अभिभावक यह सोचकर अपने बच्चों को कोचिंग में अध्ययन करने के लिए कोटा भेजते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। वे इंजीनियरिंग अथवा डॉक्टरी की शिक्षा में एडमीशन ले सकेंगे अपने बच्चों को वे तमाम तरह के सब्जबाग दिखाते हैं लेकिन तमाम केस ऐसे हो रहे हैं कि बच्चा असफल होने पर आत्महत्या कर लेता है और अभिभावक हाथ मलते रह जाते हैं।

पिछले माह, जनवरी 2०25 में ही छह छात्रों के आत्महत्या कर लेने से एक बार कोटा फिर भयावह नजर आने लगा है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर कोटा में कोचिंग सेंटर्स में पढ़ने वाले छात्र असफल होने पर क्यों आत्महत्या कर लेते हैं। इसके लिए जिम्मेदार कौन है। आत्महत्याओं के बढ़ते आंकड़ों से लोग अब अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजने से कतराने लगे हैं।

पिछले 1० साल में कम से कम 127 विद्यातथयों की खुदकुशी के मामले सामने आए हैंग अब यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ रहा है। इसे सरकारी तंत्र की विफलता मानें या कोचिंग सेंटल संचालकों की उदासीनताग पढ़ाई का दबाव झेलने में नाकाम रहने वाले विद्यातथयों की मौत का आंकड़ा थमता नजर नहीं आ रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकार ने ऐसे घटनाक्रम रोकने के लिए प्रयास न किए हों। कई बार गाइडलाइंस जारी की गई हैं लेकिन आत्महत्या का यह सिलसिला रु कता नजर नहीं आ रहा है।

यक्ष प्रश्न यह है कि खुदकुशी के इस दर्दनाक खेल के लिए किसे कठघरे में खड़ा किया जा सकता है। आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बालक अच्छी से अच्छी सेवा में जाएं और उनका नाम रोशन करें। जो माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते हैं वे अपने बच्चों को कोटा के कोचिंग सेंटर्स से तैयारी कराते हैं। इसमें दो राय नहीं कि डॉक्टरी और इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए कोटा सर्वोत्तम हब माना जाता है। जाहिर है कि लोगों का ध्यान कोटा पर केंद्रित हो लेकिन अभिभावक यह नहीं देखते कि उनका बच्चा इन दोनों पाठ्यक्रमों के लायक है भी या नहीं। सभी बालक अतिकुशाग्र बुद्धि के नहीं होते। सभी की बौद्धिक क्षमता एक जैसी नहीं होती। ऐसे में बच्चों को स्वप्न दिखाकर कोटा में एडमीशन दिलाना उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करना ही है।

तमाम बच्चे मध्यम और निचले वर्ग के भी होते हैं। उन्हें बताया जाता है कि कैसे शिक्षा प्राप्त कर उन्हें घर-परिवार का नाम रोशन करना है। जब वे इसमें असफल होते हैं तो नाकामी का दबाव उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है। बहुत से बच्चों पर घर का आतथक दबाव भी होता है। इस दबाव के चलते उनके कदम खुदकुशी की ओर बढ़ते हैं।

स्पष्ट है कि इन आत्महत्याओं के लिए प्राथमिक तौर पर उनके अभिभावक ही दोषी होते हैं। ङ्क दूसरे नंबर पर आते हैं कोचिंग सेंटर संचालक। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि शिक्षा व्यवसाय का रूप ले चुकी है। निम्न से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा में बडवी रकम खर्च होती है। कोटा में जो कोचिंग सेंटर चल रहे हैं उनमें भी मोटी रकम के लालच में बड़ी संख्या में विद्यातथयों के प्रवेश ले लिये जाते हैं। भले ही उन कोचिंग सेंटर्स में छात्रों के बैठने तक की समुचित व्यवस्था न हो लेकिन एडमिशन ले लिये जाते हैं। बाद में उनके बैठने आदि की वैकल्पिक अस्थायी व्यवस्था की जाती है।

प्रवेश लेते समय सिर्फ बड़ी रकम देखी जाती हैग बच्चे का मानसिक और बौद्धिक स्तर नहीं। बच्चा जेईई अथवा नीट एंट्रेंस क्लीयर कर पायेगा या नहीं इस ओर कोई गौर नहीं किया जाता। कोचिंग सेंटर संचालक सिर्फ व्यवसाय कर रहे हैं। हम यह नहीं कहते कि वे अच्छी शिक्षा नहीं दे रहेग निश्चित रूप से दे रहे हैं लेकिन यह देखने वाला कोई नहीं है कि बच्चे मानसिक रूप से यह शिक्षा ग्रहण कर भी पा रहे हैं या नहीं। बीच-बीच में उन्हें ताकीद कर दी जाती है कि वे पिछड़ रहे हैं और ज्यादा मेहनत करेंग लेकिन कैसेग यह कोई नहीं बताता।

शायद यही कारण है कि प्रशासन और सरकार ने जो गाइडलाइंस जारी की हैग उसमें चयन समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है। अगर चयन समिति में शामिल विषय विशेषज्ञ प्रवेश के समय ही विद्यातथयों के मानसिक और बौद्धिक स्तर की जांच कर लें और सक्षम विद्यातथयों को ही प्रवेश दें तो न संबंधित कोचिंग सेंटर का परीक्षा फल उत्तम हो बल्कि खुदकुशी की इस अनवरत चली आ रही श्रृंखला पर विराम भी लग सके।

चयन समिति अगर अयोग्य या कमजोर छात्रों को प्रवेश ही न दे तो इतना ही तो होगा कि छात्र लौट जाएगा लेकिन कम से कम आत्महत्या करने की नौबत तो नहीं आएगी। तीसरी जिम्मेदारी बनती है पीजी संचालकों की जो मोटी रकम लेकर छात्रों को आवास तो मुहैया करा देते हैं लेकिन वहां ऐसी कोई सुरक्षात्मक व्यवस्था नहीं करते जिससे छात्र आत्महत्या न कर सके। कहने को कहा जा सकता है कि जिसे खुदकुशी करनी है वह कहीं भी कर सकता है किसी भी प्रकार से कर सकता है मगर पीजी संचालकों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि कम से कम वह अपने पीजी में तो इस तरह के इंतजाम कर लें कि छात्र खुदकुशी करने का मौका न पा सके। दूसरी बात उन्हें सिर्फ आय का साधन ही न समझें बल्कि उनके दुख-सुख में सहभागी बनने का प्रयास करें ताकि छात्रों को पीजी में भी घर जैसा माहौल मिल सके।

शब्द सामर्थ्य -082

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

1		3	■	■	4		5	■
	■	6	7			■	8	9
10				■		■	11	
	■	■	12	13		14		■
15	16		■		■		■	17
■		■	18		19		■	
20				■	21		■	
22		■		■		■	23	
24		■	■	■	25			■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 081 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

माल तेरा मार्केट मेरी, लंच बॉक्स में ड्रग्स सप्लाई!

एक लंचबॉक्स सर्विस के रूप में शुरू होने वाली डब्बा कार्टेल की कहानी जल्द ही क्राइम, धोखे और अस्तित्व के खतरनाक खेल में बदल जाती है। नेटफ्लिक्स के डब्बा कार्टेल का ट्रेलर पांच मिडिल क्लास की महिलाओं के जीवन पर रोशनी डालता है जिसमें उनका टिफिन सर्विस का बिजनेस खतरनाक मोड़ लेता है और उन्हें एक हाई-स्टेक वाले ड्रग कार्टेल की दुनिया में धकेल देता है।

ट्रेलर में मुंबई के ठाणे में 5 महिलाओं का एक रुप टिफिन सर्विस चलाता है। हालांक इसके पीछे एक बड़ा खतरनाक सस्पेंस छुपा हुआ है। क्योंकि ये महिलाएं टिफिन सर्विस की आड़ में ग्राहकों तक ड्रग्स पहुंचा रही हैं। लेकिन जल्द ही इसका खुलासा हो जाता है और ये महिलाएं बड़ी दुविधा में फंस जाती है। जाहिर तौर पर ट्रेलर काफी दिलचस्प है और सीरीज भी एंटरटेनिंग लग रही है।

जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, महिलाएं और उनके पति खुद को कहीं खतरनाक परिस्थिति में उलझा हुआ पाते हैं। शबाना आजमी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयान, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद, सई ताम्हणकर, जिशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे और भूपेंद्र सिंह जादावत जैसे शानदार कलाकारों से सजी सीरीज ठाणे के उस इलाके की झलक दिखाती है जहां सपनों को हर मोड़ पर खतरे का सामना करना पड़ता है।

डब्बा कार्टेल नेटफ्लिक्स पर 28 फरवरी को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म को हितेश भाटिया ने डायरेक्ट किया है और इसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने प्रोड्यूस किया है।

सीरीज की निर्माता शिबानी अख्तर ने कहा, डब्बा कार्टेल के साथ, हम हाउस वाइफ की यात्रा का पता लगाना चाहते थे। यह दोस्ती, धोखे और पावर की कहानी है। जो एक ऐसी दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसका हिस्सा होने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। हम दर्शकों को इस सीरीज के रोमांचकारी एक्सपीरियंस पर ले जाने का इंतजार नहीं कर सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर तूफान लेकर आई नागा चैतन्य की थंडेल

पुष्पा 2 द रूल के बाद इस साल जो फिल्म दुनियाभर में तूफान मचा रही है, वो नागा चैतन्य और साई पल्लवी की फिल्म थंडेल है। चंदू मोंडेती के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में भी कोहराम मचा दिया है। चार दिन में कारोबार ने आसमान छू लिया है।

रोमांटिक एक्शन थ्रिलर थंडेल 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों ने खूब सराहा है। इसी का नतीजा है कि फिल्म दुनियाभर में अच्छा बिजनेस कर रही है। गौर फरमाने वाली बात है कि इस फिल्म के साथ बॉलीवुड की दो और फिल्में लवयापा और बैडएस रवि कुमार भी आईं। हालांकि, यह दो नई बॉलीवुड फिल्में नागा चैतन्य की फिल्म का बाल भी बांका नहीं कर पाई।

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की फिल्म वर्ल्डवाइड के साथ-साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी खूब नोट छाप रही है। हम थंडेल की तुलना पुष्पा 2 के साथ नहीं कर सकते हैं, क्योंकि पुष्पा की सबसे ज्यादा कमाई हिंदी भाषा में हुई थी, जबकि थंडेल हिंदी भाषा में एक करोड़ कमा पाने में भी असफल साबित हुआ।

रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड थंडेल की कहानी एक मछुआरे की है, जो एक ग्रुप के साथ गलती से समंदर पार कर पाकिस्तान चले जाते हैं और गिरफ्तार हो जाता हैं। पाकिस्तान के कैद में मछुआरों का वहां क्या हाल होता है, थंडेल इसी कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। नागा चैतन्य के साथ लीड रोल में साई पल्लवी हैं।

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव 28 फरवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

आने वाले दिनों में कई फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करती दिखेंगी, जिनमें से एक सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव भी है। पिछले साल सितंबर में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जो दर्शकों की कसौटी पर खरा उतरा था। तभी से दर्शक फिल्म की रिलीज तारीख का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

अब मालेगांव के लडक़ों की नई झलक जारी कर फिल्म के निर्माताओं और निर्देशक ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी। प्राइम वीडियो ने अपने पोस्ट में लिखा, एक छोटे शहर से बड़े पर्दे तक, मिलिए मालेगांव के सुपरबॉयज से- एक ऐसी टीम जो सपने देखने की हिम्मत रखती है और उसे पूरा करने का साहस करती है।फिल्म से आदर्श गौरव समेत सभी कलाकारों की नई झलकियां सामने आई हैं। इसी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म ने ऐलान किया कि फिल्म 28 फरवरी को सिनेमाघरों का रुख करेगी।रीमा कागती के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आदर्श गौरव, शशांक अरोड़ा, विनीत कुमार सिंह, अनुज सिंह दुहान, साकिब अयूब, पल्लव सिंह, मंजरी सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव पिछले साल 13 सितंबर को टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाई गई थी। इसके बाद 10 अक्टूबर को बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में भी इसकी स्क्रीनिंग हुई थी। फिल्म की कहानी महाराष्ट्र के छोटे से शहर मालेगांव की पृष्ठभूमि पर तैयार की गई है।

मलाइका अरोड़ा ने दिखाया मदमस्त अंदाज

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस और फैशनिस्ट मलाइका अरोड़ा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड फिगर और क्लासी फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और गॉर्जियस लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

मलाइका अरोड़ा की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो ग्लैमरस और हॉट लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों को ओपन कर के, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस की इन फोटोज को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक कई सारे यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल मल्ला।

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस 51 साल की हो गई हैं, लेकिन आज भी अपनी हॉटनेस से इंटरनेट पर तबाही मचाती रहती हैं।

ºº

रिवीलिंग गाउन पहन अमायरा दस्तूर ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

बॉलीवुड अभिनेत्री अमायरा दस्तूर अपने फैशन सेंस के लिए लोगों के बीच काफी फेमस हैं। वो अपनी एक्टिंग से ज्यादा लुक्स के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में अमायरा दस्तूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया स्टार हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

अमायरा दस्तूर की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ब्राउन कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही हॉट एंड गॉर्जियस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के गाउन का डिजाइन बेहद ही क्लासी लग रहा था। थाई हल्का सा कटआउट लुक देकर अमायरा दस्तूर ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। बता दें कि फैशन इंडस्ट्री में एक्ट्रेस की बढ़ती लोकप्रियता से यह साबित हो गया है कि वो न केवल एक्ट्रेस हैं बल्कि फैशन आइकन भी बन चुकी हैं।

लोगों की उम्मीदों का केन्द्र बने रहते हैं राहुल

शकील अख्तर

राजनीति में संघर्ष करना पड़ता है। स्टालिन को कितना इंतजार करना पड़ा। जयललिता के रहते हुए उनके संघर्ष लगातार चलते रहे। सत्तर के होने से दो तीन साल पहले ही वे मुख्यमंत्री बन पाए। और अब विपक्ष की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान है। और तमिलनाडु के वे एकमात्र बड़े नेता हैं। पक्ष विपक्ष दोनों जगह।

शोले फिल्म का डायलाग राजनीति में बिल्कुल सही साबित हो रहा है। जो डर गया समझो वह मर गया! वहां भी मरने से मतलब मरना नहीं था। यहां भी नहीं है। कोई हैसियत न रह जाना। निपट जाना। या जैसे गांव कस्बों में कहा जाता है धरती पर बोझ समान! राहुल गांधी ने दिल्ली चुनाव में अरविन्द केजरीवाल पर जो सबसे बड़ा हमला किया था वह यही था कि विपक्ष के नेताओं में नरेंद्र मोदी से जो सबसे ज्यादा डरते है वह अरविंद केजरीवाल हैं।

राहुल खुद किसी से नहीं डरते। और इसलिए उनके इस विषय में कहने का असर होता है। राहुल का जो केन्द्रीय गुण या ताकत मानी जा सकती है वह उनका किसी भी परिस्थिति में नहीं डरना ही है। और इसलिए उनके खिलाफ इतना माहौल बनाया गया, इतने मुकदमे लादे गए, लोकसभा की सदस्यता छीनी गई, मकान लिया गया, एसपीजी हटाई गई, सडक़ पर पुलिस से धक्का दिलवाकर गिरवा दिया गया।

क्या नहीं हुआ? मजाक उड़ाने के लिए पप्पू, बाबा नाम प्रचारित किए गए। खुद राहुल ने कहा कि उनकी छवि खराब करने के लिए हजारों करोड़ों रुपए खर्च किए गए। मगर चूंकि राहुल डरे नहीं, प्रधानमंत्री मोदी के सामने हमेशा डट कर खड़े दिखे तो आज हर जगह एक ही बात कही जाती है कि मोदी का अगर कोई मुकाबला कर सकता है तो वह राहुल गांधी ही हैं। और यह बात खुद मोदी जी भी जानते हैं इसलिए वे हर जगह हर विषय पर राहुल और उनके परिवार पर आरोप लगाते रहते हैं। वह तो डायरेक्ट उन्हें महाकुंभ में लगे महा जाम का बचाव नहीं करना है नहीं तो वे इसके लिए भी नेहरू को दोषी करार देते।

अभी भगगड़ में हुई मौतों के बाद वे नेहरू के समय कुंभ में हुई भगदड़ की कहानी बता चुके हैं। अदालतों में तो यह नहीं चलता मगर जनता को बेवकूफ बनाने के लिए प्रतिक्रियावादी नेता हमेशा यह तर्क देते हैं कि क्या पहले नहीं हुआ था? मतलब अगर पहले हुआ था तो हमारे समय होना जायज है।

नरेंद्र मोदी के इन्हीं बिलो द बेल्ट (नियमों सिद्धांतों के खिलाफ) हमलों और विन्डिक्टिव (नफरत बदले के भावना से) राजनीति के कारण सिर्फ नेता ही नहीं संवैधानिक संस्थाएं तक डर गई हैं। राहुल ने कहा था इसीलिए कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और संघ से नहीं है। हमें इंडियन स्टेट से भी लडऩा पड़ रहा है। राहुल की यह बात अब मोदी बार बार दोहराते हैं कि राहुल भारत से लडऩे की बात कर रहे हैं।

दरअसल राहुल ने कहा था कि सभी संवैधानिक संस्थाओं पर मोदी ने कब्जा कर लिया है। हमें उनसे भी लडऩा पड़ रहा है। इन्डियन स्टेट मतलब सरकार और उसकी ऐजेन्सियां। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स वगैरह। और संस्थाओं न्यायपालिका, चुनाव आयोग, मीडिया, संसद में पीठासीन अधिकारियों के पक्षपात पूर्ण रवैये से।

निश्चित ही रूप से यह लड़ाई बहुत कठिन है। और इसे लडऩा बहुत साहस का काम। राहुल ने यहां तक कहा कि जब तक मैं जिन्दा हूं किसी भी हिन्दुस्तानी पर आक्रमण होगा चाहे वह किसी भी धर्म का हो हिन्दु हो मुसलमान हो सिख हो ईसाई हो किसी भी जात का हो दलित हो पिछड़ा हो राहुल वहां उसकी रक्षा करता मिलेगा। और राहुल ने यह भी कहा कि यह आज की बात नहीं मेरी पूरी लाइफ की राजनीति देख लेना।

बिल्कुल सही। राहुल की पूरी राजनीति ऐसी ही है। बेखौफ। इसलिए जब वे अपने किसी समकालीन नेता के लिए कहते हैं कि वह डरता हो तो असर होता है। केजरीवाल, मोदी के डर से ही दलितों की बात नहीं कर पाए, पिछड़ों की नहीं कर पाए।

राहुल की मांग आरक्षण के पचास प्रतिशत के केप को हटाने की बात तो बहुत बड़ी है कभी आरक्षण के समर्थन में नहीं बोला। जाति गणना के पक्ष में नहीं बोले। जहां उनके मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे वहां उनका प्रचार करने नहीं गए। वे केवल भाजपा की कार्बन कॉपी बने रहे। और जनता ने कार्बन कॉपी को ठुकरा दिया। मूल कॉपी के साथ चली गई।

डर खत्म करना बहुत जरूरी है। राजनीति में जनता खुद नेताओं से अभय दान चाहती है। अपने डर को दूर करने के लिए ही तो वह समूह में आती है। और फिर उसका नेतृत्व चाहती है। अगर नेता खुद ही डर जाएगा तो जनता उसके पीछे क्यों लगेगी? मायावती को जनता ने बिल्कुल छोड़ दिया। दिल्ली चुनाव में उसके 50 से ज्यादा उम्मीदवार हजार से भी कम वोट ला पाए। कभी कहा जाता था कि बसपा का टिकट किसी को भी मिले दस बीस हजार से तो उसकी गिनती शुरू होती है। लेकिन दिल्ली क्या खुद मायावती के राज्य उत्तर प्रदेश में लोकसभा में उनकी एक सीट नहीं। 2022 विधानसभा में 403 सीट में से उनकी केवल एक सीट आई थी। वह

भी मायावती की वजह से नहीं जीतने वाले उमाशंकर सिंह का अपना असर था। मायावती सबसे ज्यादा डर में हैं। परिणाम कांशीराम की वह पार्टी भुगत रही है जिसमें कभी नारा लगता था चढ़ गुंडन की छाती पर मोहर लगाना हाथी पर! बीच बाजार में बसपा का दलित चौड़ी छाती करके यह नारा लगाता था। मगर आज गोपनीय मतदान में भी वोट नहीं डाल रहा। दिल्ली में कुछ सीटों पर तो सौ के करीब वोट आए हैं।

दूसरी तरफ यूपी के एक दूसरे नेता को देखें! अखिलेश यादव डर से निकल गए। आज चाहे यूपी की योगी सरकार या केन्द्र की मोदी सरकार अखिलेश सबसे कड़े हमले कर रहे हैं। और इसी निर्भयता का परिणाम है कि चाहे 2024 की लोकसभा हो या 2022 की विधानसभा जनता उनके साथ खड़ी हुई। लोकसभा में 37 सीटें

यूपी में नंबर वन और विधानसभा 111 सीटें दीं।

अखिलेश के बारे में भी यह प्रचार किया गया कि उन्होंने समझौता कर लिया। डर गए। खासतौर से तब जब मुलायम सिंह यादव को पद्म विभुषण दिया गया। लेकिन अखिलेश इस बात को समझ गए कि मोदी के साथ जाकर उन्हें एक सुरक्षा के अहसास के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा। और जाने में सपा की सारी राजनीति खतम हो जाएगी। उन्होंने सपा की राजनीति बचा ली। और खुद का कद आज इतना बड़ा कर लिया कि जब वे लोकसभा में बोलते हैं तो पक्ष विपक्ष सब उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते हैं।

राजनीति में निर्भयता में ही वह चीज है जिसने लालू यादव को इतने मुकदमे जेल के बाद आज भी प्रासंगिक बनाए रखा। इसी साल बिहार में चुनाव हैं। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी उनकी पार्टी राजद की और तेजस्वी की है।

राजनीति में संघर्ष करना पड़ता है। स्टालिन को कितना इंतजार करना पड़ा। जयललिता के रहते हुए उनके संघर्ष लगातार चलते रहे। सत्तर के होने से दो तीन साल पहले ही वे मुख्यमंत्री बन पाए। और अब विपक्ष की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान है। और तमिलनाडु के वे एकमात्र बड़े नेता हैं। पक्ष विपक्ष दोनों जगह। डरो मत! राहुल का यह मंत्र ही मोदी युग में खुद को बचाए रखने का सबसे बड़ा हथियार है। जनता के मन का डर ऐसे ही दूर होगा। जब नेता निर्भय हों।

अगर नेता खुद डरे हुए होंगे तो जनता और ज्यादा होगी। इसलिए राहुल का ग्राफ कभी गिरता नहीं। वे लोगों की उम्मीदों का केन्द्र बने रहते हैं।

सू- दोकू क्र.082

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.081 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

भारत की सनातन समावेशी संस्कृति

अशोक शर्मा

ऋग्वेद का एक वाक्य है 'एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' यानी सत्य एक है, लेकिन बुद्धिमान लोग उसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह वाक्य ऋग्वेद में आया है। इसका मतलब यह भी है कि एक ही चेतना सभी में है। जाहिर है हमारी सत्य सनातन संस्कृति बहुत समावेशी है और मानती है कि ईश्वर की आराधना अलग-अलग पद्धतियों या मजहबों के माध्यम से की जा सकती है लेकिन सबकी मंजिल यानी ईश्वर एक है। पिछले कुछ दिनों से संविधान की बहुत दुहाई दी जा रही है। हमारे संविधान का भी सार यही है जो ऋग्वेद ने बताया है यानी सत्य एक है जिसे किसी भी मार्ग से खोजा जा सकता है, यानी पंथ निरपेक्षता ! जाहिर है हमें एक नागरिक के रूप में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारी समावेशी संस्कृति को धक्का पहुंचे। यही बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कहने की कोशिश की लेकिन उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया और इस पर सियासत शुरू हो गई। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि भाजपा और संघ परिवार के ही बहुत से लोग डॉ मोहन भागवत की इस बात से सहमत नहीं है ? उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि यह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। यह अत्यंत आश्चर्यजनक है कि संभल (उप्र) में 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया

गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। सवाल यह है कि इतने पुराने दंगों का संदर्भ अब क्यों उठाया जा रहा है? क्या प्रासंगिकता है? एक पुराना नक्शा जांच के दौरान सामने आया है, जिसके मुताबिक 68 हिंदू तीर्थों और 19 कूपों (कुओं) की खोज की जानी है। अब यह नक्शा संभल जिलाधिकारी के पास है, जिस नक्शे को 'शंभल महात्म्य' कहा जाता है। क्या इन तीर्थों के लिए भी खुदाई और जांच कराई जाएगी ? बीते दिनों एक कूप से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली थीं। कुछ खंडित प्रतिमाएं भी मिली थीं। अब संभल में एक प्राचीन बावड़ी सामने आई है। इस समय यह 210 वर्ग मीटर में बनी है। बावड़ी को राजा सहसपुर के राजघराने के कुंवर जगदीश सिंह के नाना ने बनवाया था। इसमें कोई सुरंग नहीं है, बल्कि बावड़ी गोलाई में बनी है। बावड़ी में तीन मंजिलें पाई गई हैं। बहरहाल, यह सवाल तो सबके मन में उठना ही चाहिए कि हिंदुओं पर हुए सदियों पुराने अत्याचारों को अब सामने लाकर क्या हासिल होगा ? उन अत्याचारों के लिए मुगल आक्रांता दोषी थे। उनके अत्याचारों का बदला आज के भारतीय मुसलमान से किस तरह लिया जा सकता है ? जब ऐसा किया जाना संभव नहीं है और ना ही ऐसा होना चाहिए तो फिर क्यों हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग को तलाशा जा रहा है ? ऐसा करने से देश का भला कैसे होगा ? यदि इस मामले में हिंसा होती है तो नुकसान किसका होगा ? अगर भारत सुरक्षित नहीं है, यदि भारत तरक्की की राह में पिछड़ता है तो इसका नुकसान सबसे ज्यादा हिंदुओं को ही होगा क्योंकि वही इस देश में बहुसंख्यक हैं। जाहिर है यदि हिंदू हित की दृष्टि से भी सोचा जाए तो इस तरह की हरकतें बंद की जानी चाहिए। यही संदेश संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत कट्टरपंथी हिंदुओं को देना चाहते हैं। हिंदू उन्माद को बढ़ावा देकर आखिर क्या हासिल होगा ? जाहिर है मोहन भागवत वही कह रहे हैं जो हमारे वेदों का सार है या जो हमारी संस्कृति की सहिष्णुता का मर्म है। दरअसल,सभी विचारशील लोगों को इस पर विचार करना चाहिए कि क्या पुराने इतिहास के विद्रूप रूप को सामने लाने से हमारा भला होने वाला है ? यदि नहीं तो यह सब बंद होना चाहिए।

चोरी के 19 लाख रुपए कीमत के सामान के साथ दो गिरफ्तार

❑पकड़े गये चोरों में एक नगर निगम का कर्मचारी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के 19 लाख रूपये के साथ नगर निगम कर्मचारी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 25 को अक्षय कपिल निवासी इंदिरानगर वसंत विहार द्वारा थाना बसंतविहार पर प्रार्थना पत्र दिया कि वह 21 फरवरी 2025 को वह अपने परिवार के साथ किसी कार्यक्रम में शामिल होने रुड़की गए थे, जब वापस आए तो देखा की चोर द्वारा उनके घर की खिड़की की ग्रिल व जाली तोड़कर घर के अंदर से सोने चांदी के आभूषण एवं नगदी चोरी कर लिए गए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। चोरी की घटना की गंभीरता के दृष्टिगत घटना के खुलासे हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों पर थानाध्यक्ष बसंतविहार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा घटनास्थल एवं घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण कर घटनास्थल के आसपास लगे 35 सीसीटीवी कैमरो को चेक किया गया एवं वर्तमान में चोरी, नकबजनी की घटनाओ में जेल से जमानत पर रिहा हुए लोगों की सूची तैयार कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों से गत रात्रि दो संदिग्ध व्यक्तियों को चाय बागान खंडहर से थोड़ा आगे प्राइमरी स्कूल के पास से हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ में उनके द्वारा अपना नाम सूरज साहनी तथा अंकित बताया, दोनो की तलाशी में उनके पास से 02 हैंडबैग में रखे सोने चांदी के आभूषण एवं नगदी बरामद हुई, जिसके संबंध में दोनो से सख्ती से पूछताछ करने पर उनके द्वारा उक्त आभूषणों को वसंत विहार क्षेत्र में एक बंद घर से चोरी करना बताया गया।

पुलिस द्वारा दोनों को मौके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सूरज साहनी पुत्र सिताई मुखिया, अंकित पुत्र स्वर्गीय अमरपाल निवासी शास्त्रीनगर खाला, थाना बसंत विहार बताया। पूछताछ में अंकित द्वारा बताया कि वह नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। 21 फरवरी 25 को इंदिरानगर सीबीआई ऑफिस के पीछे पार्क के पास सफाई करने के दौरान उसके द्वारा वादी को अपने परिजनों के साथ बैग लेकर कहीं बाहर जाते देखा, जिस पर उसके द्वारा उक्त बात अपने साथी सूरज साहनी को बताते हुए उक्त घर मे चोरी की योजना बनाई तथा योजना के मुताबिक रात में उक्त बंद घर की खिड़की की ग्रिल और जाली तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पकड़े जाने के डर से चोरी के माल को चाय बागान के पास एक खंडर में छिपा दिया, जिसे आज बेचने की फिराक में ले जा रहे थे, पर इस दौरान पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 11वां वार्षिक उत्सव बाबा के दीवाने सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित किया गया जिसमें सभी ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष अरुण मरवा, गगन सूरी, रवि सूरी, अरुण लूथरा, राकेश सेठी, हिमांशु पहवा, हिमांशु राजपूत, अंकित वर्मा, दीपक सेठी, अंकुर जैन आदि उपस्थित रहे।

2 मई को खुलेंगे बाबा केदारनाथ धाम के कपाट

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। विश्वप्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को सुबह 7 बजे बैशाख, मास, मिथुन राशि, वृष लग्न में विधि-विधान से खोले जायेगें।

शिवरात्रि के पावन अवसर पर आज श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में श्री केदारनाथ धाम रावल भीमाशंकर लिंग, केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल एवं श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल सहित पंचगाई समिति पदाधिकारियों तथा सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में धर्माचार्यों वेदपाठियों द्वारा पंचाग गणना के पश्चात विधि-विधान से श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय हुई है।

इस अवसर पर श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ दर्शन को पहुंचे। इस अवसर पर भोलेनाथ के भजन कीर्तन का आयोजन भी हुआ तथा श्रद्धालुओं ने प्रसाद वितरण किया गया। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने का समय तय होने के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं।

श्री केदारनाथ भगवान की पंचमुखी डोली 28अप्रैल को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से प्रस्थान कर रात्रि प्रवास हेतु प्रथम पड़ाव श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंचेगी। 29 अप्रैल को श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से रात्रि प्रवास हेतु द्वितीय पड़ाव फाटा को प्रस्थान होगी। 30 अप्रैल फाटा से रात्रि प्रवास हेतु तृतीय पड़ाव गौरादेवी मंदिर गौरीकुंड पहुंचेगी। 1 मई शाम को भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली श्री केदारनाथ धाम पहुंच जायेगी। तथा 2 मई शुक्रवार को प्रात: 7 बजे वृष लग्न में श्री केदारनाथ धाम के कपाट तीर्थयात्रियों के दर्शनार्थ खोले जायेगें।

बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आज ही इस यात्रा वर्ष हेतु श्री केदारनाथ धाम, मद्महेश्वर धाम हेतु पुजारियों के नाम घोषित हुए श्री केदारनाथ धाम हेतु बागेश लिंग पुजारी का दायित्व संभालेंगे। शिवलिंग मद्महेश्वर पुजारी रहेंगे तथा श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ गंगाधर लिंग तथा श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में शिवशंकर लिंग पूजा-अर्चना का दायित्व निभायेंगे।

ज्ञातव्य हो कि इस यात्रा वर्ष में श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई को प्रात: छ बजे खुलेंगे। परम्परागत रूप से श्री गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया को खुलते है इस वर्ष अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है।

शराब के साथ महिला सहित छह गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी थाना पुलिस ने बाजार में एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 55 पव्वे बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम कृष्णा देवी पत्नी राज्जे सिंह निवासी जाटव बस्ती ऋषिकेश बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चन्द्रेश्वर नगर से एक व्यक्ति को 33 पव्वे के साथ, गोविन्द नगर से 58 पव्वों के साथ, आईडीपीएल के पास से 51 पव्वों के साथ, मालवीर मार्ग से 15 पव्वे व लेबर कालोनी तिराहे से 52 पव्वों के साथ व्यक्ति को पकडा। जिन्होंने अपने नाम लाल बहादुर पुत्र गणेश साहनी निवासी चन्द्रेश्वर नगर, हैप्पी जाटव पुत्र राजेश जाटव निवासी गोविन्द नगर झुग्गी झोपडी, सुशील कुमार पुत्र श्यामलाल निवासी बापू नगर, श्याम मिलन पुत्र पहलू निवासी सब्जी मण्डी व शिवा पुत्र रोह सिंह निवासी जेजे ग्लास के पास बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हनोल में मोबाइल टावर लगाने की कवायद शुरु

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने त्यूणी हनोल एवं नेटवर्क विहीन क्षेत्र में टेलीकॉम कंपनियों से टावर लगवाने की कवायद शुरू कर दी।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने त्यूणी हनोल एवं नेटवर्क विहीन क्षेत्र में टेलीकॉम कंपनियों से टावर लगवाने

❑त्यूणी हनोल में मोबाइल टावर लगाने पर ही मैदानी क्षेत्र में मिलेगी अनुमतिः डीएम

की कवायद शुरू कर दी। प्रतिदिन त्यूणी हनोल मंदिर में महासू महाराज के दर्शन हेतु हजारों की संख्या में बाहरी राज्य एवं अन्य देशों से पहुंचने वाले श्रद्धालु को टेलीकॉम कंपनियों की नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के चलते, प्राय स्थानीय एवं श्रद्धालुओं में अपने लोगों से वार्तालाप आदि समन्वय की समस्या बनी रहती है।

हनोल महासू महाराज के दर्शन एवं रात्रि निवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से स्थानीय लोगों ने नेटवर्क की समस्या को लेकर, टावर लगवाने की मांग की। जिस पर मुख्यमंत्री ने जिलाधि कारी को प्राथमिकता से नेटवर्क की समस्या को निस्तारण करने को कहा। जिलाधिकारी ने उक्त समस्या को गंभीरता से लेते हुए जनपद में सेवा प्रदत्त करने वाले टेलीकॉम कंपनियों को त्यूणी में प्राथमिकता के आधार पर टावर लगाने के दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जो टेलीकॉम कंपनी त्यूणी हनोल एवं नेटवर्क विहीन क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाएंगे उन्हें जनपद के अन्य क्षेत्र में टावर लगाने की अनुमति दी जाएगी। जिलाधिकारी के इस निर्णय से स्थानीय लोगों में प्रसन्नता देखने को मिल रही है।

▶▶ शेष पृष्ठ 8 पर

एक नजर

भगवान दूधेश्वर महादेव के जलाभिषेक को उमड़ी भक्तों की भीड़

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भवन श्री कालिका माता मन्दिर, कालिका मार्ग पर आज महा शिवरात्रि के दिन प्रात: सूर्य की पहली किरण के साथ भगवान दूधेश्वर महादेव जी को भक्तों द्वारा जल चढ़ना प्रारंभ हुआ। अपार भक्तों द्वारा भोलेनाथ पर जल चढ़ाया। बेल फल, फल, भाँग, धतूरा आदि शिवलिंग पर चढ़ाया गया व ऊं नम: शिवाय व बम बम भोले के जयकारे लगाए गए।

प्रात: 7:30 बजे परम पूज्य महाराज जी को ध्यान में रखकर। मंदिर के पुजारी द्वारा दैनिक यज्ञ के साथ श्री रुद्री यज्ञ प्रारंभ हुआ जो कि 9:30 बजे तक चला। तत्पश्चात भगवान शंकर की आरती हुई व प्रसाद वितरण हुआ। मंदिर प्रांगण में ही प्रात: 9:00 बजे श्री राम चरित्र मानस का अखंड पाठ प्रारंभ हुआ। व्यासपीठ पर विराजमान मंदिर के पुजारी व अन्य बाह्मणों द्वारा रामायण का पाठ किया गया। दोपहर 1:30 बजे तक भक्तों द्वारा भगवान दूधेश्वर महादेव को जल चढ़ने का सिलसिला जारी रहा जिसकी संख्या लगभग 5000 रही। दोपहर में एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया था।

कल सुबह 9:00 बजे श्री रामचरितमानस अखंड पाठ का भोग पड़ेगा, आरती होगी। तत्पश्चात मंदिर समिति द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है। इस अवसर पर गगन सेठी, राम सवरूप भाटिया, भारत भूषण शर्मा, केवल आनंद, रमेश साहनी, नरेश मैनी, अशोक लांभा, नीरज जिंदल, शशि तलवार, महेश डोरा, कमल गुलाटी, शैंकी डोरा, विजय अरोरा, सतीश मेहता, राम भाटिया, संजय आनंद , कमल स्वरुप गुप्ता, दीपक बिस्ट, मोहित बांगा, आशीष सूरी, अभिषेक वाधवा, कार्तिक ढींगरा, शुभम मैनी, हरीश भाटिया सहित काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

पूर्व पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। लद्दाख पुलिस के पूर्व अधिकारी का रास्ता रोककर उसके साथ गाली गलौच मारपीट करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बाडी निवासी लददाख पुलिस के पूर्व पुलिस अधीक्षक गुलाम हैदर ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह ग्राम ब्यासनहरी, कालसी गेट, करार हसन के घर से सफदर अली व करार हसन के साथ गाड़ी में बैठकर अम्बाडी की ओर जाने हेतु मस्जिद के पास पहुँचा ही था कि संजय खान अपनी कार वैगन आर को कालसी गेट से नीचे की ओर लेकर आ रहा था, उसको देखकर संजय खान ने अपनी उपरोक्त कार बीच सड़क में रोककर उसका रास्ता अवरूद्ध कर दिया तथा उसको आगे नहीं जाने दिया और गाली-गलौज करने लगा। शोरगुल सुनकर शेर मौहम्मद, सरवर अली, शहनवाज शफी व अन्य लोग मौके पर पहुँचे और इन लोगों ने उसकी जान बचाई तथा संजय खान द्वारा जोर-जोर से चिल्लाकर गन्दी गन्दी गालियों व उसको जान से मारने की धमकी देने लगा तथा चोर उग्रवादी कहकर अपमानित करना लगा और कहने लगा कि वह आज तो बच गया, भविष्य में यदि कहीं दिखाई दिया तो उसको जान से मार देगा या मरवा देगा। वह लद्दाख पुलिस से पुलिस अधीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुआ है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हनोल में मोबाइल टावर लगने की...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से डीएम बंसल हनोल महासू महाराज मंदिर परिसर में ही मास्टर प्लान पर जल्द स्थानिकों एवं रेखीय विभाग की बैठक लेने जा रहे हैं। जिस पर उन्होंने उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा को बैठक की तैयारी करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही डीएम बंसल मार्च माह को त्यूणी में रात्रि विश्राम पर रहेंगे। इस दौरान त्यूणी में ही बहुद्देशीय शिविर का आयोजन कर जनमानस की समस्याओं को मौके पर ही निस्तारण करेंगे।

कई-कई दिनों तक नहीं होता कूड़ा उठान?

विशेष संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट सिटी देहरादून की साफ सफाई व्यवस्था की जांच परख के लिए नगर निगम द्वारा अपनी टीमों को मैदान में उतारा गया है वहीं एक क्यूआर कोड जारी कर आम लोगों से 10 सवालों के जरिए हाल-ए-हकीकत को जानने के जो प्रयास किये जा रहे हैं उनकी सराहना की जानी चाहिए बशर्ते यह प्रयास ईमानदाराना ढंग से किए जाएं।

वर्तमान समय में शहर के कई हिस्सों में नियमित कूड़ा उठान नहीं हो पा रहा है। कई क्षेत्रों में बीते 4-5 दिनों से कूड़ा उठान नहीं हुआ है तथा कई क्षेत्रों में एक-दो दिन के अंतराल पर स्थानीय लोगों को कूड़ा उठाने आने वाली गाड़ी के दर्शन होते हैं। कई बार यह कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां इतनी जल्दी में होती है कि लोग अपने घरों का कूड़ा लेकर इन गाड़ियों के पीछे दौड़ लगाते देखे जाते हैं। हां इन गाड़ियों द्वारा कूड़ा उठान के चार्ज वसूली में कोई लापरवाही कतई नहीं की जाती है और तो बात छोड़ ही दीजिए अगर इनके एरिया सुपरवाइजरों को कोई नागरिक फोन मिलाकर अपनी समस्या बताना भी चाहता है तो उनके फोन तक नहीं उठते हैं।

राजधानी दून में कूड़ा उठाने की व्यवस्था सालों से जारी है। मगर कूड़ा उठान करने वाली कंपनियों के बीच हमेशा ही विवाद बने रहे हैं जिसके कारण कूड़ा उठान की यह व्यवस्था एक बड़ी समस्या ही बनी रही है। वर्तमान

समय में अगर स्वच्छता अभियान की रैंकिंग में सुधार के लिए कुछ नए प्रयोग किये जा रहे हैं तो यह सुनने में बहुत अच्छा जरूर लग रहा है। देहरादून

❑सुपरवाइजर के फोन तक नहीं उठते
❑सूखे-गीले कूड़े की कवायत बेकार साबित

जिसका रैंकिंग में अभी भी 68वां स्थान है इन प्रयासों से कितना सुधर सकेगा यह आने वाला समय ही बताएगा। पर जब तक वर्तमान समय की बात है उसे समझने के लिए यह 10 बातें ही काफी हैं। घर-घर कूड़ा उठान करने वाली गाड़ियां नियमित रूप से सभी क्षेत्रों में हर रोज नहीं आती। इन गाड़ियों में गीला और सुखा कूड़ा अलग-अलग नहीं जाता है। मुख्य सड़कों पर भी नियमित सफाई नहीं होती है। घरों व संस्थानों में भी गीला और सूखा कूड़ा अलग नहीं रखा जाता है। सफाई कर्मी किसी के घर कूड़ा लेने नहीं जाते। घर व संस्थाओं के लोग खुद ही गाड़ी तक कूड़ा डालने जाते हैं। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था कभी बेहतर नहीं रही है। सड़कों पर कूड़ादान लगे होने के बाद भी कूड़ा बाहर फैला रहता है अगर क्षेत्र के स्वच्छता सुपरवाइजर आदि को कोई फोन भी करता है तो उसका फोन नहीं उठता है। ऐसी स्थिति में रैंकिंग में कितना सुधार हो पाएगा यह सवाल का जवाब हमेशा सवाल ही बना रहेगा।

25 लाख की अफीम सहित दो अंतर्राज्जीय नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करों पर बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने उधम सिंह नगर के थाना किच्छा क्षेत्र से दो अंतर्राज्जीय नशा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से करीब 25 लाख रूपये की अफीम बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि कल देर शाम को उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना किच्छा क्षेत्र में स्थानीय पुलिस को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए दरउ मार्ग के पास से दो अफीम तस्करों भानु प्रताप पुत्र राम चंद्र निवासी ग्राम खानपुर थाना भोजीपुरा जिला बरेली तथा हेमंत कुमार पुत्र विजय पाल निवासी ग्राम चक्दाहा थाना शाही जिला बरेली को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से 2 किलो 513 ग्राम अफीम बरामद हुई है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह यह अफीम मीरगंज से लाये थे जिसको किच्छा, रुद्रपुर, बाजपुर क्षेत्र में बेचने ले जा रहे थे।

बताया कि वह नुनुआ नाम के व्यक्ति जो मीरगंज में रहता है उससे अफीम खरीद कर उत्तराखंड में बेचते है जिससे उनको काफी मुनाफा होता है।

भालू की पित्त के साथ दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने भालू की पित्त के पास दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन जिन्दा कारतूस भी बरामद किये। एसटीएफ ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसटीएफ को सूचना मिल रही थी कि कालसी क्षेत्र में जंगली जानवरों के अंगो की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद एसटीएफ ने वहां पर अपना जाल बिछा दिया। जिसके चलते एसटीएफ ने बाहडी कालसी चकराता मार्ग पर दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में जाते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। एसटीएफ व स्थानीय पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से दो भालू की पित्त व तीन जिन्दा कारतूस बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम कलम सिंह चौहान पुत्र नारायण सिंह निवासी ग्राम बनियाना चकराता, संतू पुत्र खंतु निवासी चकराता बताया। एसटीएफ ने उनके खिलाफ कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।